RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
27
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

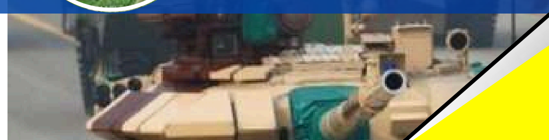

By Ankit Avasthi Sir

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन / International Space Station

संदर्भ:

हाल ही में **Axiom-4 मिशन** के तहत भारत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) तक सफलतापूर्वक यात्रा की। वे न केवल ISS तक पहुँचने वाले पहले भारतीय बने, बल्कि राकेश शर्मा के 1984 के मिशन के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय भी बन गए हैं।

Axiom Mission 4 (Ax-4): परिचय

- **Ax-4** Axiom Space द्वारा संचालित **चौथा निजी मानव अंतरिक्ष मिशन** है, जिसका उद्देश्य **अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना** और **सूक्ष्म गुरुत्व में उन्नत अनुसंधान** करना है।

शामिल संगठन:

- **Axiom Space** – मिशन आयोजक
- **NASA** – अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर मेज़बान
- **SpaceX** – लॉन्च वाहन (Falcon 9) और **ड्रैगन कैप्सूल** का प्रदाता

प्रक्षेपण स्थल व समय:

- **लॉन्च पैड:** LC-39A, कैनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा
- **लॉन्च तिथि:** 25 जून 2025
- **मिशन अवधि:** लगभग **14 दिन**, ISS पर रहने की योजना

उद्देश्य:

- **अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग** को बढ़ावा देना
- **माइक्रोग्रैविटी में अनुसंधान**, जैसे:
    - सूक्ष्म जैवविज्ञान
    - कृत्रिम बुद्धिमत्ता
    - सामग्री विज्ञान
    - कृषि तकनीक

चालक दल के सदस्य:

- पेगी व्हिटसन (USA)
- शुभांशु शुक्ला (India)
- स्लावोज़ उज़्नान्स्की (Poland)
- टिबोर कापू (Hungary)

ISS क्या है?

- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) अब तक का सबसे बड़ा मानव निर्मित अंतरिक्ष ढांचा है।
- इसे 20 नवंबर 1998 को लॉन्च किया गया था।
- यह अंतरिक्ष में मानव आवास के रूप में कार्य करता है और 2011 से लगातार आबाद है।

सहभागी देश:

- NASA (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- Roscosmos (रूस)
- ESA (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी), JAXA (जापान), CSA (कनाडा)

कक्षा व गति:

- **कक्षा:** पृथ्वी से लगभग **400 किलोमीटर** ऊपर
- **गति (Speed):** लगभग **28,000 किलोमीटर/घंटा**
- पृथ्वी की एक परिक्रमा **हर 90 मिनट में** पूरी करता है।

उद्देश्य:

- **अंतरिक्ष और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (microgravity)** पर अनुसंधान
- **नवीन वैज्ञानिक अनुसंधान** को बढ़ावा देना
- मानव अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी व तकनीकी परीक्षण
- **वैश्विक सहयोग** को बढ़ावा देना

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) का महत्व:

1. **वैश्विक सहयोग का प्रतीक** – ISS अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और शांति का एक सफल उदाहरण है, जहाँ कई देश मिलकर काम करते हैं।
2. **लंबी अंतरिक्ष यात्राओं का परीक्षण केंद्र** – यह स्टेशन मंगल और चंद्रमा जैसे मिशनों के लिए आवश्यक दीर्घकालिक अंतरिक्ष यात्राओं की तैयारी में सहायक है।
3. **स्पेस मेडिसिन में शोध** – माइक्रोग्रैविटी में शोध से अल्जाइमर, पार्किंसन और कैंसर जैसी बीमारियों को समझने और इलाज की दिशा में मदद मिलती है।
4. **मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रशिक्षण** – ISS ने अंतरिक्ष यात्रियों को भविष्य की गहन अंतरिक्ष यात्राओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान किया है।

परमाणु ऊर्जा प्लांट / Nuclear Power Plant

संदर्भ:

बिहार जल्द ही अपने पहले **न्यूक्लियर पावर प्लांट** की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में कदम रखने जा रहा है। यह पहल भारत सरकार के राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा मिशन (National Nuclear Energy Mission) के तहत की जा रही है। बिहार उन प्रारंभिक छह राज्यों में शामिल है जिन्हें इस मिशन का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

पृष्ठभूमि:

- भारत सरकार ने **ऊर्जा मिश्रण में विविधता**, **क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा** व **उन्नत तकनीकों** को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।
- इसी क्रम में 1,000 मेगावाट बैटरी स्टोरेज परियोजना को बिहार में मंजूरी दी गई है, जिससे ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को बल मिलेगा।
- इस परियोजना के लिए प्रति मेगावाट ₹18 लाख की वायबिलिटी गैप फंडिंग दी जाएगी।

स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) क्या हैं?

- **SMRs = Small + Modular + Reactors**
- ये **अत्याधुनिक न्यूक्लियर रिएक्टर्स** होते हैं जिनकी **शक्ति क्षमता 300 मेगावाट (e) या उससे कम** होती है।
- ये पारंपरिक परमाणु संयंत्रों से **आकार में छोटे** और **प्रारूप में मॉड्यूलर** होते हैं।

मुख्य प्रकार:

1. लाइट वाटर
2. हाई टेम्परेचर गैस
3. लिक्विड मेटल
4. मोल्टन सॉल्ट

SMRs के लाभ:

- **बेहतर सुरक्षा:**
  - प्राकृतिक संवहन व गुरुत्वाकर्षण-आधारित शीतलन तकनीक
  - बाहरी पावर या मानव हस्तक्षेप पर निर्भरता नहीं
- **लचीलापन (Flexibility):** ऊर्जा मांग के अनुसार **क्रमिक रूप से संयंत्र जोड़ना संभव**
- **दूरदराज क्षेत्रों के लिए उपयुक्त: जिला हीटिंग, जल विलवणीकरण** आदि जैसे अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त
- **लागत प्रभावी निर्माण: फैक्टरी में प्रीफैब्रिकेशन**, जिससे निर्माण समय और लागत कम होती है

भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की पहल:

- वर्तमान स्थापित क्षमता: **8,180 मेगावाट**
- लक्ष्य (2031-32 तक): **22,480 मेगावाट**

निर्माणाधीन 10 रिएक्टर्स (कुल क्षमता: 8,000 MW):

- राज्य: गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश

अंतरराष्ट्रीय सहयोग:

- **कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश** में **6 × 1,208 MW** रिएक्टर्स – अमेरिका के सहयोग से प्रस्तावित

हाल की प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **जादूगुड़ा (झारखंड):**
  - भारत की सबसे पुरानी यूरेनियम खान के पास **नई यूरेनियम खोज**
- **राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP-7):**
  - 19 सितंबर 2024 को 'क्रिटिकलिटी' प्राप्त की – स्वदेशी रिएक्टर की बड़ी सफलता
- **काकरापार इकाई 3 और 4 (700 MWe):**
  - 2023-24 में व्यावसायिक संचालन प्रारंभ
  - यह भारत के पहले स्वदेशी डिजाइन वाले PHWRs में से हैं
- **PFBR, कलपक्कम (500 MWe):**
  - 2024 में महत्वपूर्ण मील के पत्थर जैसे **सोडियम भराव**, **पंप परीक्षण**, और **कोर लोडिंग** पूरे किए गए

न्यूक्लियर एनर्जी क्या है?

- **न्यूक्लियर एनर्जी** वह ऊर्जा है जो परमाणु अभिक्रियाओं (nuclear reactions) के दौरान उत्पन्न होती है।
- यह ऊर्जा दो प्रमुख प्रकार की अभिक्रियाओं से प्राप्त होती है:
  1. **न्यूक्लियर फिशन (Nuclear Fission)** – भारी परमाणुओं का विभाजन
  2. **न्यूक्लियर फ्यूजन (Nuclear Fusion)** – हल्के परमाणुओं का संयोजन

शंघाई सहयोग संगठन / Shanghai Cooperation Organisation

संदर्भ:

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान किंगदाओ (Qingdao) में भारत के रक्षा मंत्री ने मसौदा वक्तव्य (draft statement) पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

- यह इनकार तब आया जब 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, का उल्लेख मसौदे में नहीं किया गया, जबकि बोलचिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी द्वारा मार्च में की गई जाफर एक्सप्रेस हाईजैकिंग का उल्लेख शामिल था।
- भारत ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और एकतरफा संवेदनशीलता के रूप में देखा।

भारत द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों –:

1. **आतंकवाद पर सख्त रुख** – भारत ने वैश्विक आतंकवाद से निपटने के लिए दोहरे मानकों की आलोचना की और सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख अपनाने की मांग की।
2. **सीमा-पार आतंकवाद पर निशाना** – भारत ने ऐसे देशों की निंदा की जो आतंकवाद को नीति के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकियों को पनाह देते हैं।
3. **पहलगाम हमले की प्रतिक्रिया** – भारत ने आत्मरक्षा के अधिकार को दोहराया और 'ऑपरेशन सिंदूर' को जीरो टॉलरेंस नीति का उदाहरण बताया।
4. **आतंकी वित्तपोषण पर जवाबदेही** – भारत ने सभी SCO सदस्यों से आतंकवादियों, उनके समर्थकों और फंडिंग करने वालों को न्याय के कठघरे में लाने की अपील की।
5. **कट्टरपंथ रोकने पर फोकस** – RATS की भूमिका को सराहा और युवाओं में कट्टरपंथ रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की बात कही।
6. **नई सुरक्षा चुनौतियाँ** – ड्रोन से हथियार-ड्रग्स की तस्करी, साइबर अटैक और हाइब्रिड वॉर जैसी चुनौतियों पर चिंता जताई।
7. **सेंट्रल एशिया से संपर्क** – व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता बढ़ाने के लिए भारत ने मध्य एशिया से संपर्क को प्राथमिकता दी।
8. **अफगानिस्तान के लिए प्रतिबद्धता** – भारत ने अफगान लोगों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी रखने का आश्वासन दिया।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO):

- **शंघाई फाइव (Shanghai Five)** की स्थापना **1996** में चीन और चार पूर्व सोवियत गणराज्यों (कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान) के बीच **सीमा निर्धारण और सैन्यकरण समाप्ति** की वार्ताओं से हुई थी।
- **2001** में **उज्बेकिस्तान** के शामिल होने के साथ ही इसका नाम **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** रखा गया।

उद्देश्य (Objective)

- **आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद** से लड़ने हेतु क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना
- मध्य एशियाई क्षेत्र में **शांति, स्थिरता और सुरक्षा** को बढ़ावा देना

सदस्य देश (Members)

- **स्थायी सदस्य:**
  - चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस
  - मध्य एशिया के चार देश: कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान
- **भारत की सदस्यता:**
  - **2017** में पूर्ण सदस्य बना
  - **2023** में भारत ने **घूमती अध्यक्षता** संभाली
- **पर्यवेक्षक देश (Observers):** अफगानिस्तान और मंगोलिया

संगठनात्मक ढांचा (Structure)

- **उच्चतम निर्णय निकाय:** राज्यों के प्रमुखों की परिषद (Council of Heads of States - CHS)
- **स्थायी निकाय:**
  - सचिवालय – बीजिंग (चीन)
  - क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) – ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
- **आधिकारिक भाषाएँ:** रूसी और चीनी

SCO का भारत के लिए महत्व:

- **क्षेत्रीय सुरक्षा:** RATS के माध्यम से भारत **इंटेलिजेंस साझेदारी** और **आतंकवाद विरोधी प्रयासों** में भाग लेता है
- **चीन-पाकिस्तान संतुलन:** मंच पर भारत अपनी स्थिति स्पष्ट कर सकता है और **भारत विरोधी नैरेटिव को रोकने** का प्रयास कर सकता है
- **ऊर्जा सुरक्षा:** मध्य एशिया से **तेल, गैस, यूरेनियम** जैसी आवश्यक ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच
- **आर्थिक सहयोग:** व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ावा
- **मध्य एशिया से जुड़ाव:** SCO भारत को **मध्य एशिया में रणनीतिक गहराई** और संपर्क की सुविधा देता है

नीति आयोग की रिपोर्ट: भारत के लिए डेटा अनिवार्य / NITI Aayog Report: India's Data Imperative

संदर्भ:

नीति आयोग ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट "India's Data Imperative: The Pivot Towards Quality" जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत की सार्वजनिक डेटा प्रणाली की गुणवत्ता को सुधारने हेतु तत्काल और व्यापक सुधारों की सिफारिश की गई है।

रिपोर्ट का परिचय (About the Report)-

- यह रिपोर्ट भारत के डेटा इकोसिस्टम पर केंद्रित है, जो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से शासन, कल्याण और वित्तीय समावेशन को सक्षम बनाता है।
- इसमें आधार, UPI, आयुष्मान भारत, और DBT जैसी योजनाओं को डेटा-आधारित प्लेटफ़ॉर्म्स से जोड़ा गया है।

मुख्य आँकड़े:

- **Aadhaar:** FY 2024-25 में 27 अरब से अधिक प्रमाणीकरण – पहचान-आधारित सेवा वितरण का आधार
- **UPI:** प्रतिमाह ₹23.9 लाख करोड़ के लेनदेन – विश्व का सबसे बड़ा रियल-टाइम भुगतान सिस्टम
- **आयुष्मान भारत:** 36.9 करोड़ डिजिटल हेल्थ आईडी जारी – स्वास्थ्य डेटा को जोड़ने में क्रांतिकारी बदलाव
- **DBT:** FY 2024-25 में ₹5.47 लाख करोड़ ट्रांसफर – 330+ योजनाएं कवर की गईं
- **Aadhaar e-KYC:** FY 2024-25 में **1.8 अरब e-KYC लेनदेन** – डिजिटल सेवाओं में लागत में भारी कमी
- **डिजिटल पहुंच:** 120 करोड़ मोबाइल ग्राहक और 80 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता – विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल उपयोगकर्ता आधार

मजबूत डेटा इकोसिस्टम की आवश्यकता:

- **राजकोषीय लीकेज रोकना:** गलत/डुप्लिकेट डेटा से **4–7% अतिरिक्त खर्च**
- **AI आधारित नीति निर्माण:** उच्च गुणवत्ता वाले डेटा के बिना सटीक हस्तक्षेप संभव नहीं
- **जन विश्वास बनाना:** सटीक, भरोसेमंद और समय पर सेवा से डिजिटल गवर्नेंस में विश्वास
- **AI विकास को समर्थन:** साफ-सुथरा, वैध डेटा AI नवाचार के लिए जरूरी
- **नीतिगत समन्वय:** विभागों में इंटरऑपरेबल डेटा से बेहतर सेवा वितरण

प्रमुख चुनौतियाँ:

- **टुकड़ों में बंटा डेटा:** मंत्रालयों के बीच भिन्न प्लेटफॉर्म और फॉर्मेट
- **जवाबदेही की कमी:** किसी भी स्तर पर डेटा गुणवत्ता का समर्पित स्वामी नहीं
- **पुरानी IT प्रणाली:** रीयल-टाइम अपडेट और इंटरऑपरेबिलिटी में बाधा
- **प्रेरणा का असंतुलन:** सटीकता से अधिक तेज एंट्री को महत्व

आगे का रास्ता:

- **स्वामित्व सुनिश्चित करें:** राष्ट्रीय से जिला स्तर तक डेटा संरक्षक नियुक्त करें
- **गुणवत्ता को प्रोत्साहित करें:** प्रदर्शन मूल्यांकन में त्रुटि दर और गुणवत्ता मापदंड शामिल हों
- **इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ावा दें:** IndEA व NDGFP के तहत मानकीकरण
- **प्रैक्टिकल टूल अपनाएं:** NITI का Data Quality Scorecard और Maturity Framework लागू करें
- **क्षमता निर्माण में निवेश करें:** फील्ड स्टाफ को डेटा ईमानदारी के लिए प्रशिक्षित करें

नीति आयोग (NITI Aayog) क्या है?

- **स्थापना:** 1 जनवरी 2015 को भारत सरकार द्वारा योजना आयोग के स्थान पर स्थापित
- **प्रकृति:** भारत सरकार का एक नीति-निर्धारण थिंक टैंक है
- **उद्देश्य:** आर्थिक विकास की नीतियों का निर्माण और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना

नीति आयोग के प्रमुख कार्य –

1. **नीति निर्माण:** दीर्घकालिक रणनीतिक योजनाओं और भारत के आर्थिक विकास के रोडमैप का निर्माण।
2. **सहकारी संघवाद:** केंद्र व राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाकर नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
3. **निगरानी और मूल्यांकन:** योजनाओं की निगरानी और परिणामों का विश्लेषण कर फीडबैक देना।
4. **थिंक टैंक की भूमिका:** नवाचार, शोध और ज्ञान आधारित नीति सलाह देना ,राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान सुझाना।

कुलसी नदी / Kulsi River

संदर्भ:

असम और मेघालय द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित 55 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के खिलाफ **कुलसी नदी** के तटवर्ती क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

विरोध के कारण:

- **पर्यावरणीय प्रभाव:** नया बांध नदी के प्रवाह को नियंत्रित करेगा, जिससे कम से कम 12 वेटलैंड्स प्रभावित होंगी, जिनमें चांडुबि झील भी शामिल है – जो दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी विवर्तनिक झील मानी जाती है।
- **सूखे मौसम में जल संकट:** कुलसी नदी का जल स्तर सूखे मौसम में काफी गिर जाता है, जिससे कृषि और प्राकृतिक वनस्पति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- **गंगेटिक डॉल्फिन का संकट:** कुलसी नदी को गंगेटिक डॉल्फिन (Platanista gangetica gangetica) की अंतिम आश्रय स्थलों में से एक माना जाता है।
    - स्थानीय लोग इसे "**सिहु**" नाम से जानते हैं।
- **क्षेत्रीय प्रभाव:** प्रस्तावित कुलसी जलविद्युत परियोजना (55 मेगावाट) का प्रभाव उकियाम से नागरबेरा (कामरूप जिले का दक्षिणी भाग) तक पड़ेगा।

कुलसी नदी:

- **प्रकार:** ब्रह्मपुत्र नदी की दक्षिणी सहायक नदी
- **उत्पत्ति:** मेघालय के वेस्ट खासी हिल्स रेंज से, लगभग 1800 मीटर की ऊँचाई पर

- **निर्माण:** तीन नदियों के संगम से बनती है – खी, कृष्णिया, और उमसिरी
- **ऊपरी धारा में नाम:** ऊपरी भाग में इसे **खी नदी** कहा जाता है
- **प्रवाह दिशा:** खासी हिल्स में संगम के बाद यह **उत्तर-पश्चिम** दिशा में बहती है और असम के **नागरबेरा** के पास ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है

ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया / Trigeminal Neuralgia

संदर्भ:

ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया (Trigeminal Neuralgia - TN) एक दुर्लभ और अत्यंत पीड़ादायक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जो चेहरे की नसों को प्रभावित करती है। हाल के वर्षों में इसके मामलों में वृद्धि और विलंबित निदान के कारण यह स्थिति जनचेतना का विषय बनती जा रही है।

Trigeminal Neuralgia क्या है?

- **Trigeminal Neuralgia (TN)** एक **दीर्घकालिक न्यूरोपैथिक दर्द विकार** है, जो चेहरे की सबसे बड़ी नस **ट्राइजेमिनल नर्व** को प्रभावित करता है।
- यह नर्व **तीन शाखाओं** में बंटी होती है – **आंख, गाल और जबड़े** तक फैलती है।
- यह समस्या आमतौर पर **चेहरे के एक ही तरफ** होती है।
- इसे **"Tic Douloureux"** भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है "**दर्दनाक झटका**"।
- तीव्र, झटकेदार दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इसे "**सुसाइड डिज़ीज़**" भी कहा जाता है – क्योंकि यह कुछ रोगियों को आत्महत्या तक के विचारों की ओर ले जा सकता है।

कारण (Causes):

- **मूल कारण:** ट्राइजेमिनल नर्व के **दिमाग में प्रवेश बिंदु** पर दबाव या क्षति।
- सामान्य कारणों में शामिल हैं: खून की नस द्वारा दबाव , मल्टीपल स्क्लेरोसिस (MS), ब्रेन ट्यूमर, सर्जरी या चोट के कारण नर्व डैमेज, नर्व में सूजन या अनियमितता

उपचार (Treatment):

- **दवाएं:**
    - मुख्य रूप से **एंटी-कन्वल्सेंट्स** (Anticonvulsants) जैसे **Carbamazepine**।
    - अन्य विकल्प: Oxcarbazepine, Baclofen आदि।
- **सर्जरी: Microvascular Decompression (MVD):** ट्राइजेमिनल नर्व से दबाव हटाना।
- **मिनिमली इनवेसिव तकनीकें:**
    - **Gamma Knife Radiosurgery:** नर्व के उस हिस्से को विकिरण से निष्क्रिय करना।
    - **Radiofrequency Ablation:** दर्द पैदा करने वाली नर्व को नष्ट करना।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय / PMML

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन में आयोजित प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय और पुस्तकालय (PMML) सोसायटी की 47वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की।

- यह बैठक प्रधानमंत्री संग्रहालय के विकास, संचालन और भावी दिशा पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी, जो भारत के प्रधानमंत्रियों के योगदान को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को उससे अवगत कराने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (PMML):

स्थापना और विकास:

- **स्थापना:** वर्ष **1964** में भारत के पहले प्रधानमंत्री **जवाहरलाल नेहरू** की मृत्यु के बाद।
- **स्थान:** यह **तीन मूर्ति भवन**, नई दिल्ली में स्थित है – जो नेहरू जी का आधिकारिक आवास था।
- **डिज़ाइन:** इस भवन को **ब्रिटिश वास्तुकार रॉबर्ट टोर रसेल** ने **1929–30** में डिज़ाइन किया था।

नाम परिवर्तन:

- प्रारंभ में इसे **नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी (NMML)** कहा जाता था।
- **2021** में इसका नाम बदलकर **प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (PMML)** रखा गया, ताकि **सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान** को सम्मान मिल सके।

उद्देश्य:

- **सभी प्रधानमंत्रियों की विरासत** और उनके योगदान को **संरक्षित, प्रलेखित और प्रचारित** करना।
- **आधुनिक भारतीय इतिहास** के अध्ययन और अनुसंधान के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में कार्य करना।

आलू अनुसंधान केंद्र / Potato Research Station

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा में एक क्षेत्रीय **आलू अनुसंधान केंद्र** की स्थापना को मंज़ूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य कंद फसलों की उत्पादकता बढ़ाना तथा दक्षिण एशिया के किसानों को तकनीकी और अनुसंधान आधारित समर्थन प्रदान करना है।

उद्देश्य (Objective):

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए:

- आलू और शकरकंद की **उत्पादकता में वृद्धि**
- **उत्तर कटाई प्रबंधन** (Post-Harvest Management)
- **मूल्यवर्धन** (Value Addition)

भारत में आलू उत्पादन:

- **भारत** विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा** आलू उत्पादक और उपभोक्ता है।
- **उत्पादन (2020):** 51.30 मिलियन टन
- **शीर्ष उत्पादक देश:** चीन (78.24 मिलियन टन)
- **शीर्ष भारतीय राज्य:**
  - **उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल** (प्रत्येक ~15 मिलियन टन)
  - इसके बाद: **बिहार (~9 MT)**, गुजरात, मध्य प्रदेश और पंजाब
- **इतिहास:** भारत में आलू **17वीं शताब्दी की शुरुआत में पुर्तगाली व्यापारियों** द्वारा लाया गया था।

अनुसंधान संस्थान:

International Potato Centre (CIP):

- **स्थापना:** 1971
- **मुख्यालय:** लीमा, पेरू
- **उद्देश्य:** आलू, शकरकंद और एंडियन कंद फसलों पर अनुसंधान और विकास

भारत में अनुसंधान संस्थान:

- **ICAR-CPRI, शिमला** – *Central Potato Research Institute* (आलू पर केंद्रित)
- **ICAR-CTCRI, तिरुवनंतपुरम** – *Central Tuber Crops Research Institute* (शकरकंद व अन्य कंद फसलें)

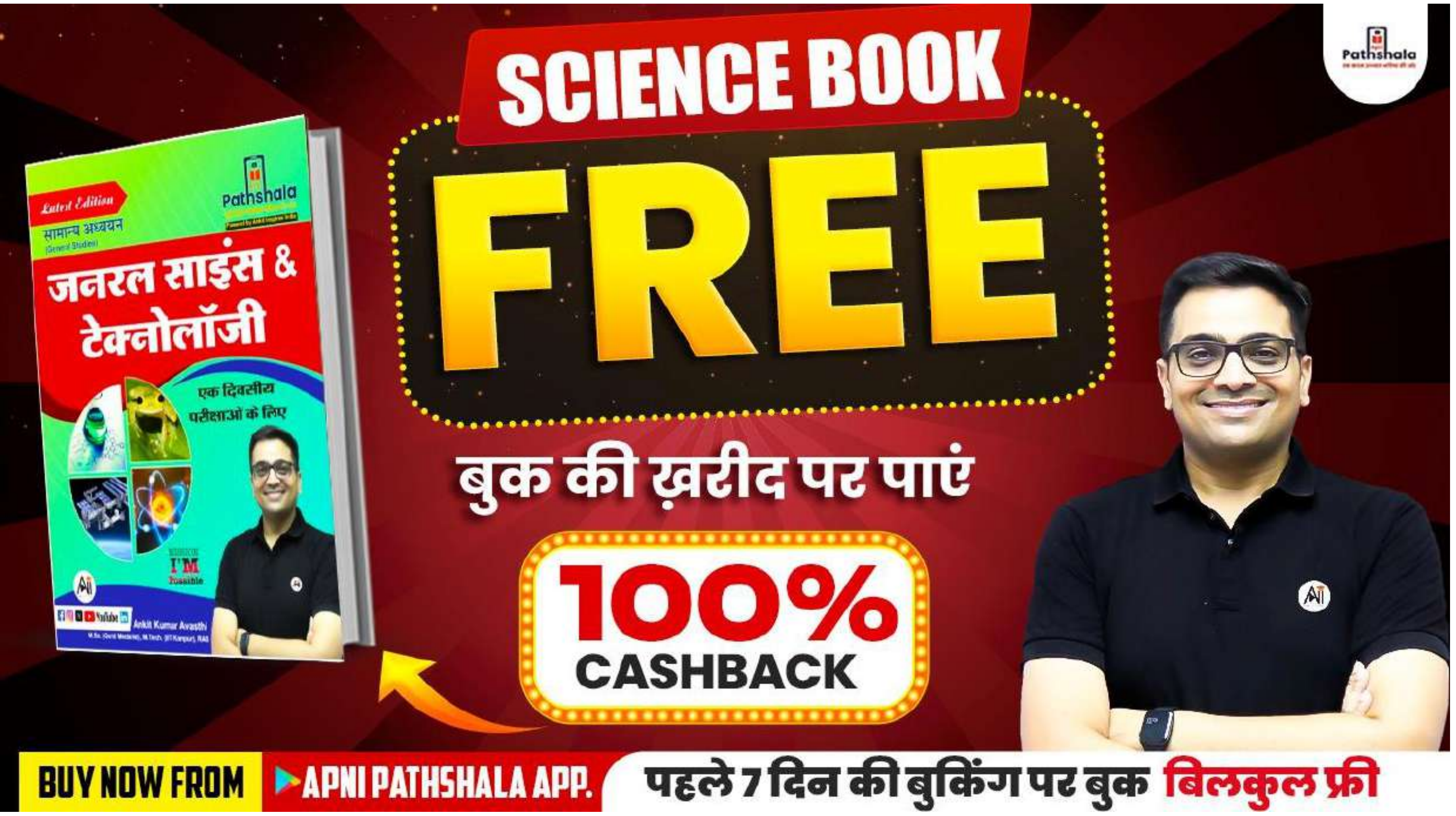
Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय परीक्षाओं के लिए
I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

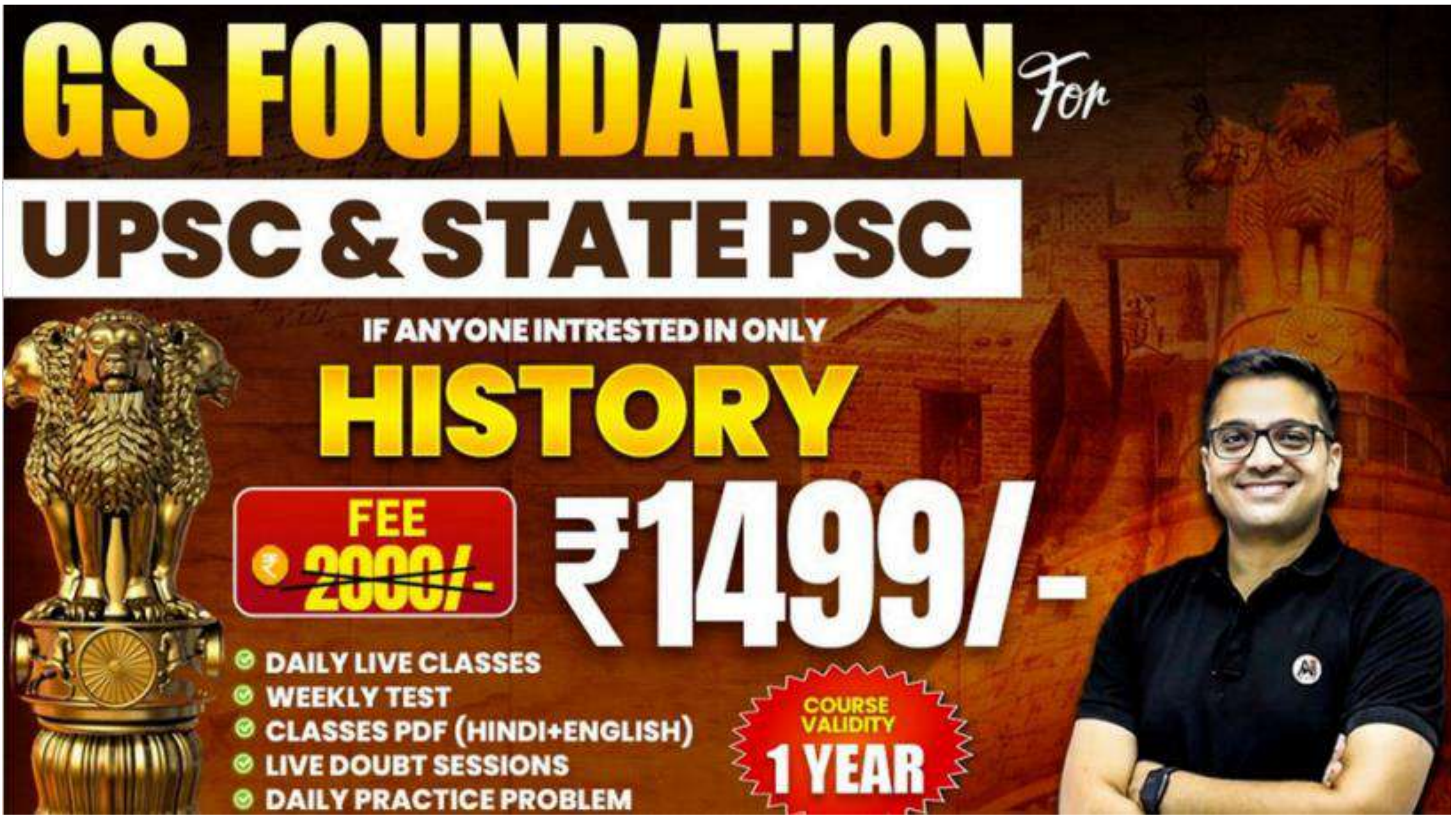
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

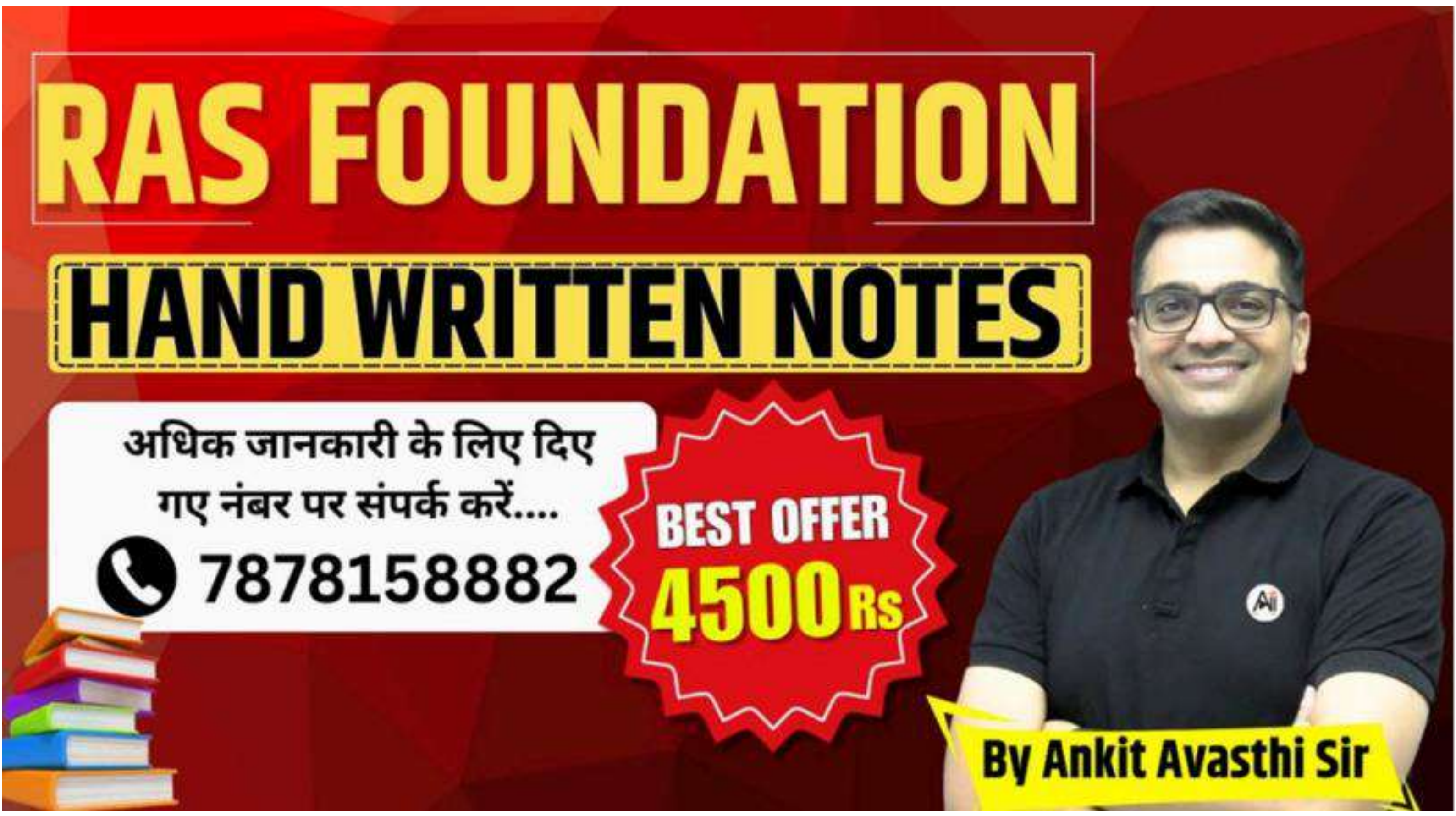
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

HOW MAY I HELP YOU
CALL
CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download “Apni Pathshsla” app now!
Follow us: